

आज बेटी जनक की

आज बेटी जनक की अवध को चली
मां की ममता चली घर की लक्ष्मी चली ॥
आई बेटी....

कौन कहता है ज्ञानी जनक हैं बड़े,
प्यारी बेटी के आँसू लिये हैं खड़े,
मां सुनैना के आँखों की पुतली चली,
आज बेटी जनक..... ..

तोता मैना पुकारे सिया ओ सिया,
बन्द पिंजरे में क्यूँ तूने मुझको किया,
आज उड़ जा तहन भी अवध की गली,
आज बेटी जनक.....

तोता रोओ नहीं न रोओ सरका,
आँसुओ से भरा है जीवन नारी का,
कह देना पिता की दुलारी चली
आज बेटी जनक.....

Source:

<https://www.bharattemples.com/aaj-beti-janak-ki-awath-ko-chali-maa-ki-mamta-chali-ghar-ki-laksmi-chali/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>